

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग П<u>खण्ड</u> 3—उपखण्ड (ii)

PART II-Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

Ho 243

नद्रै दिल्ली, बृहस्पतिबार, जून 16, 1977/ज्ये**ष्ट** 26, 1899

No. 243]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 16, 1977/JYAISTHA 26, 1899

इस भाग में भिन्न पष्ट सरुपा वी जाती है जिससे कि यह अलग सकलन के रूप में रखा जा सर्ब ।

Separate paging is given to this Port in order that it may be filed as a separate compiletion

DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

(Revenue Wing)

ORDER

New Delhi, the 16th June 1977

S.O. 396(E)—In exercise of the powers conferred by section 5, read with sub-section (2) of section 27 of the Smugglers and Foreign Exchange Manipulators (Forfelture of Property) Act 1976 (13 of 1976), the Central Government hereby makes the following further amendments in the Order of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue and insurance No. S O 41(E) [No 1205/F No 414/2/76-IT(Inv)], dated 15th January, 1976, namely—

In the Table below the said notification, in column (2)-

- (i) against Serial No 1, for the words and letters "Shri S. N Shastri", the words and letters "Shri A J. D'Souza" shall be substituted;
- (ii) against Serial No 3, for the words and letters "Shri V S. Desikachari" the words and letters "Shri A J D'Souza" shall be substituted

[No 6/F No. Admn(6)/76-SAFEMA]

N P BHAT, Dy Secy

राजस्य ग्रीर वेकिंग विभाग

(राजस्ब पक्ष)

म्रादेश

नई दिल्ली, 16 जून, 1977

का० ग्रा० 396(ग्र).—केन्द्रीय मरकार, तस्कर ग्रौर विदेशी मुद्रा छलसाधक (सम्पत्ति समपह ण) ग्रिधिनियम, 1976 (1976 का 13) की धारा 27 की उपधारा (2) क साथ पठित धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, राजस्व ग्रौर बीमा विभाग के श्रादेश स० का० ग्रा० 41 (ग्र०) स० 1205 फा० स० 414 2 76-ग्रा०क० (जाच)], तारीख 15 जनवरी, 1976 में निम्नलिखित ग्रौर सशोधन करती है, ग्रिथीत् —

उक्त श्रधिसूचना के नीचे सारणी में, स्तम्भ (2) में,--

- (i) ऋम स० 1 के सामने, "श्री एस० एन० णास्त्री" णब्दो ग्रीर ग्रक्षरों के स्थान पर, "श्री ए० जे० डिसूजा" णब्द ग्रीर ग्रक्षर रखे आएगे,
- (ii) ऋम स० 3 के सामने, "श्री वी० एस० देशिकाचारी" शब्दों भ्रीर श्रक्षरों के स्थान पर, "श्री ए० जे० डिसूजा" शब्द श्रीर श्रक्षर रखे जाएगे।

[स० ६ फा० स० प्रशा०(६) 76-साफि । एन० पी० भट्ट, उप-सचिव ।